ग्रामीणों का रोज़गार के नाम पर शोषण : सिंह

कार्यशाला

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या गावों में रहती है, लेकिन गांव में रोज़गार के अभाव के कारण लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं। अक्सर देखा गया है कि शहरों में इन ग्रामीणों को रोजगार के क्षेत्र में शोषण का शिकार होना पड़ता है। ये बात वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. ओमकार सिंह ने सोमवार को आयोजित कार्यशाला में कही।

उन्होंने कहा कि एक तो ग्रामीणों को कम वेतन मिलता है, दूसरा 31 से 40 वर्ष की आयु तक नौकरी से निकाल दिया जाता है। इससे पुनः उनके सामने रोजगार का संकट उत्पन्न हो जाता है। इसी प्रकार की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए उद्यमिता ही एक मात्र विकल्प है, जिससे यह ग्रामीण अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हुए अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कराने में सक्षम होते हैं। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्रों के बीच में स्वयं सहायता समूह स्थापित करने से न केवल उनका अनुभव बढ़ेगा, बल्कि व्यवसाय में आने वाली चुनौतियां से भी रूबरू हो सकेंगे। इस दौरान परिषद के रिसोर्स पर्सन डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, समन्वयक डॉ. डीएस गंगवार, गणेश खंडूरी भी उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner